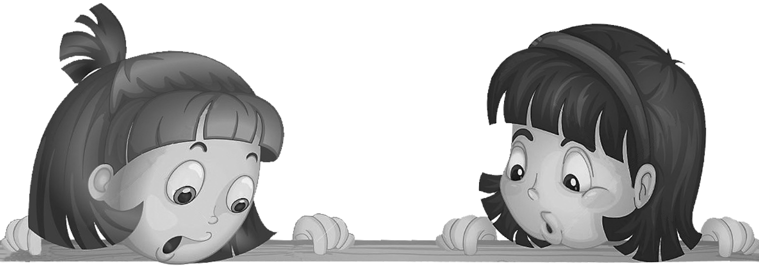

<u>प्रथम और द्वितीय सत्र के लिए</u>

यूनीक

मासिक पाठ्यक्रम

(वार्षिक योजना)

सीनियर के. जी.

नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड

नवनीत हाउस, गुरुकुल रोड, मेमनगर,

अहमदाबाद – ३८० ०५२। फोन : ६६३० ५०००

N 2112

मूल्य : ₹ २०.००

यूनीक मूल्यांकन योजना : जूनि. से 5

प्रथम और द्वितीय सत्र के लिए

विषय ☛ कक्षा ☛	मुख्य जूनि./सीनि.	मुख्य 1 से 5	गुजराती 1 और 2	English 1 से 4	कम्प्यूटर 4 और 5	सा. ज्ञान 1 से 5
औपचारिक लिखित मूल्यांकन	40	40	40	40	40	40
अनौपचारिक मूल्यांकन	–	40	–	–	–	–
आंतरिक / प्रैक्टिकल	10	20	10	10	10	10
पूर्णांक	**50**	**100**	**50**	**50**	**50**	**50**

द्वितीय सत्र के लिए

विषय ☛ कक्षा ☛	चित्रकला जूनि./सीनि.	चित्रकला 1 से 5	कम्प्यूटर 1 से 3
औपचारिक लिखित मूल्यांकन	40	80	25
अनौपचारिक मूल्यांकन	–	–	–
आंतरिक / प्रैक्टिकल	10	20	25
पूर्णांक	**50**	**100**	**50**

पाठ्यक्रम

- ☛ **मूल्यांकन – प्रथम सत्र : अक्तूबर, 2018 :** जून '18 से अक्तूबर '18 तक का रहेगा।
- ☛ **मूल्यांकन – द्वितीय सत्र : अप्रैल, 2019 :** नवम्बर '18 से अप्रैल '19 तक का रहेगा।
- ☛ **चित्रकला :** जूनि. के. जी. से कक्षा 5 और **कम्प्यूटर :** कक्षा 1 से 3 में केवल द्वितीय सत्र में ही लिखित मूल्यांकन होने के कारण उनमें संपूर्ण पाठ्यक्रम रहेगा।

संचालक महोदय, आचार्य महोदय, शिक्षक मित्रों एवं अभिभावकगण,

नम्र निवेदन ...

प्रतिस्पर्धा के वर्तमान युग में बच्चों को विद्यालय में – विशेष रूप से शिशुवर्ग में प्रवेश दिलाने के साथ ही विद्यालय एवं शिक्षकों से अभिभावकों की अपेक्षाएँ अधिक बढ़ जाती है। सामान्य रूप से उनकी मान्यता है कि बच्चा विद्यालय में जाने लगा, तो दूसरे महीने से ही उसे लिखना-पढ़ना आ जाना चाहिए। परंतु वर्तमान स्थिति में शिक्षकों और विशेष रूप से अभिभावकों को एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पहले पाँच वर्ष पूरे करने के बाद ही बच्चों को कक्षा १ में प्रवेश मिलता था। शिशुवर्ग में बच्चों को दाखिल करवाने की प्रथा उस समय इतनी प्रचलित नहीं थी जब वर्तमान अभिभावक विद्यार्थी थे। जबकि वर्तमान समय में शिशुवर्ग अनिवार्य हो गया है! उनमें भी नर्सरी, जूनियर के. जी. और सीनियर के. जी. जैसे तीन विभाग हैं। और इसीलिए नाजुक उम्र में शिशुवर्ग में दाखिल होनेवाले बच्चे के स्नायुओं को विकसित करने के बाद ही अंक ज्ञान और अक्षर ज्ञान कराना आवश्यक है। बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक कुछ महत्त्वपूर्ण बातों का इस पाठ्यक्रम में समावेश करने का हमने प्रयास किया है। हमें विश्वास है कि इस पाठ्यक्रम में दिए गए क्रमानुसार तथा समयानुसार बच्चे को शिक्षा दी जाएगी तो बच्चा केवल होशियार विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि भविष्य में एक समझदार नागरिक भी बन सकेगा।

तीन-साढ़े तीन वर्ष की उम्र में माँ का सहारा छोड़कर पहली बार बच्चा बाहर की दुनिया में आता है। ऐसे समय में हमारा (शिशुवर्ग की शिक्षिका बहनों का) कर्तव्य होता है कि ऐसा वातावरण प्रदान करें, जिससे उन्हें लाड़-प्यार मिले। अध्ययन की पूर्व तैयारी के रूप में बच्चों से ऐसे छोटे-मोटे कार्य कराएँ, जिनसे उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो साथ-ही-साथ उनकी स्नायुओं का भी विकास हो। बच्चे के विद्यालय में दाखिल होने के बाद पहले ही दिन से उसे सीधे अंक ज्ञान या अक्षर ज्ञान कराने के बदले उसे आनंद प्राप्त होनेवाले विविध

खेल खेलने के लिए कहें तथा उससे अन्य कार्य करवाएँ ताकि बच्चा दूसरे दिन अपने आप ही विद्यालय में आने के लिए प्रेरित हो।

इसके लिए निम्नलिखित बातों पर विचार करना चाहिए :

- बच्चों की छोटी-बड़ी स्नायु सुगठित हों।
- सूक्ष्म अवलोकन के अंतर्गत हेतुपूर्ण ऐसे खेल खेलने का मौका दें, जिससे उनकी दबी हुई भावनाओं को खुलापन मिलें।
- बच्चों में स्वावलंबन, एकाग्रता और स्थिरता विकसित हों।
- बच्चों को शारीरिक विकास से शुरू करके बौद्धिक विकास की तरफ ले जाएँ।

उपर्युक्त सभी विषय अथवा उद्देश्य पूर्ति के लिए बच्चों को निम्नलिखित गतिविधियों में शामिल किया जा सकता है :

- बच्चों को शुरुआत में अपने वर्गस्थल, पानी पीने के स्थान, पेशाब की जगह, खेल के मैदान, प्रार्थना-स्थल, विद्यालय के कार्यालय आदि स्थानों से अवगत करना चाहिए।
- बच्चों को निम्नलिखित प्रवृत्तियों में प्रवृत्त करना।

  उदा., चलना, दौड़ना, कूदना, फेंकना, पकड़ना, बैठना, खड़ा होना, लुढ़कना, खींचना, संतुलन बनाना, उठाना, झूला झूलना, फिसलना, लटकना आदि।

बच्चों से उपर्युक्त कार्य कराने के बाद दूसरे दौर में निम्नलिखित कार्य कराए जा सकते हैं :

- मिट्टीकाम, पिरोना, कूटना, भरना, खोलना, बंद करना, चालना, चुनना, व्यवस्थित करना आदि।

उपर्युक्त सभी कार्य बच्चे की छोटी स्नायुओं के विकास तथा उनकी तर्कशक्ति को बढ़ाने में सहायक साबित होंगी। उसके बाद छोटी स्नायुओं के विकास और बच्चों के बौद्धिक विकास में निम्नांकित सभी गतिविधियाँ उपयोगी होंगी :

- पुस्तक के पन्ने उलटने, कढ़ाई, कागज़ मोड़ना, कागज़ फाड़ना, गोली बनाना, सरल पैटर्न का लेखन, चॉककाम, रंगाई, छपाई, चिपकाने का काम, चित्रकारी आदि।

उपर्युक्त तमाम गतिविधियाँ कराने के बाद बच्चा विकास के लिए पूरी तरह सक्षम बनता है। अब ऐसे कार्य करवाने चाहिए जिनसे बच्चे की स्मरणशक्ति, अवलोकनशक्ति विकसित हो, बच्चे में वर्गीकरण करने की कुशलता विकसित हो, बच्चे में विचार करने की शक्ति विकसित हो, बच्चे में समस्याओं का निराकरण करने की शक्ति और तर्कशक्ति का विकास हो। इसके लिए पहचान, समानता, वर्गीकरण, पूरक जोड़ी, अलग करना, क्रम में लगाना, क्या घटता है?, क्या गलत है? – जैसी गतिविधियाँ उपयोगी होगी। इसके अतिरिक्त ऐसी गतिविधियाँ भी करानी चाहिए जिससे बच्चों की दृश्येन्द्रिय, स्पर्शेन्द्रिय, कर्णेन्द्रिय, घ्राणेन्द्रिय और स्वादेन्द्रिय की शक्तियाँ विकसित हों। इन सभी इन्द्रियों के विकास के लिए अलग-अलग गतिविधियाँ मासिक पाठ्यक्रम आयोजन में क्रमशः दर्शाई गई हैं। परंतु विशेष रूप से 'कर्णेन्द्रिय' के विकास के लिए बच्चों को संगीतमय तुकबंदी और बालगीत सुनाना, उनसे गवाना हितकर होगा। बच्चों को पसंद आनेवाली पीढ़ी-दर-पीढ़ी से कंठस्थ ऐसी तुकबंदी और बालगीत हमने ऑडियो कैसेट्स की श्रेणी में रखा है। वर्तमान समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आंतरराष्ट्रीय भाषा – अंग्रेजी का प्राथमिक ज्ञान सभी बच्चों के लिए अनिवार्य है, क्योंकि आधुनिक पीढ़ी को दैनिक कार्यों में Computer का उपयोग करना आवश्यक है। Computer की Command-Language English होने के कारण उसका प्राथमिक ज्ञान अथवा परिचय यदि बच्चे को बचपन से ही मिले तो भविष्य में भाषा को आत्मसात् करना बच्चे के लिए आसान रहेगा। सरकार भी इस दिशा में सक्रिय है। अलग-अलग भाषा के शब्दों से बच्चे को परिचित करवाने का शायद यह सबसे सरल और संगीतमय मार्ग है। संक्षेप में अब समय के साथ चलने के लिए बच्चे को बचपन से ही हिन्दी, गुजराती और अंग्रेजी भाषा का परिचय कराना आवश्यक है और साथ-साथ उनकी कर्णेन्द्रिय के विकास के अतिरिक्त भाषा की समझ, शुद्ध उच्चारण करने की क्षमता, तर्कशक्ति आदि विविध पहलू विकसित होते हैं।

उपर्युक्त सभी गतिविधियाँ बच्चों से कराने के बाद इस बारे में विचार करना चाहिए कि उनकी भावनाओं का विकास हो तथा सामाजिक ज्ञान विकसित हो। इसके लिए निम्नलिखित बातों का विचार करना चाहिए :

- बच्चा अपना मौखिक प्रस्तुतिकरण सरलता से कर सकें।
- उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई घटना घटे तब सहज व्यवहार कर सकें।
- बच्चा अपने व्यक्तित्व की पहचान करा सकें और स्वतंत्र बन सकें।
- अन्य बच्चों के साथ अच्छे संबंध विकसित कर सकें।
- दूसरों की भावनाओं तथा आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बन सकें।
- समूह में रहकर सहिष्णु, विवेकी और सहयोगी बन सकें।
- खेलभावना से खेल खेलकर अपनी पारी की राह देख सकें, धैर्य धारण कर सकें।
- शिक्षक द्वारा दी जानेवाली सूचनाओं तथा बातों को ध्यान से सुन सकें।

पहले बताए गए सभी विषय बच्चे को सहज आत्मसात् हो उसके लिए निम्नलिखित प्रवृत्तियों का आयोजन करना आवश्यक है :

● बॉक्स के विभिन्न खेल ● रेत के खेल ● पानी के खेल ● बागवानी ● वर्ग के अंदर और वर्ग के बाहर के खेल ● प्राकृतिक प्रवास ● संगीत की विविध प्रवृत्तियाँ ● गुड़िया घर का खेल ● सभी त्योहार मनाना

उपर्युक्त सभी प्रवृत्तियाँ बच्चों से कराने के बाद बच्चा भाषा के विकास के लिए सक्षम बन जाता है – अक्षर ज्ञान की शुरुआत कराने के लिए बच्चे में श्रवण कुशलता विकसित करना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, सूचनाओं के आदान-प्रदान की आदत विकसित करना तथा उसके पठन के लिए अवलोकनशक्ति विकसित करना भी आवश्यक होता है। उसके लिए बच्चा वर्ग में अलग-अलग चार्ट्स का अवलोकन करे, बालगीत गाए और सुने, कहानी सुने, उम्र के अनुरूप बाल नाटकों द्वारा संवाद बोले अथवा सुने, यह बहुत आवश्यक है।

शिशुवर्ग के बालकों से पढ़ने की अर्थात् अवलोकन और अक्षर लिखने की शुरुआत करने से पहले यदि उपर्युक्त प्रवृत्तियों में उन्हें रुचि हो – उस प्रकार कराया जाए तो बच्चा पढ़ने की शुरुआत बहुत ही रुचिपूर्वक और सहजता से करेगा तथा प्रतिदिन विद्यालय जाने की जिद्द करेगा और एक बार बालक नियमित रूप से विद्यालय में आकर सभी प्रवृत्तियों में रुचि लेने लगेगा तो उसका परिणाम क्या होगा, वास्तव में इसकी विस्तृत चर्चा करने की आवश्यकता है?

मासिक पाठ्यक्रम (वार्षिक योजना)

सीनियर के. जी.

सूचना : प्रथम सत्र का लिखित मूल्यांकन सितम्बर अथवा अक्तूबर मास में होने के कारण पाठ्यक्रम उसी के अनुसार पूरा कराएँ।
* **प्रथम सत्र :** जून से अक्तूबर तक * **द्वितीय सत्र :** नवम्बर से अप्रैल तक

१. हिन्दी

जून

- हिन्दी वर्ण (स्वर – व्यंजन – संयुक्ताक्षर – बारहखड़ी)
- सचित्र वर्णमाला
- '**अ**' का परिचय, वाचन और लेखन
- सरल शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को [√] करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- [ ] में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।

  (नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : ३ से १३)

जुलाई

- '**आ**' और '**इ**' का परिचय, वाचन और लेखन
- **खड़ीपाई (मात्रा)** और **ह्रस्व 'इ'वाले** शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन

- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को √ करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- ☐ में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : १४ से २१)

अगस्त

- **'ई'** का परिचय, वाचन और लेखन
- **दीर्घ 'ई'वाले** शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को √ करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- ☐ में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : २२ से २५)

सितम्बर

- **'उ'** का परिचय, वाचन और लेखन
- **ह्रस्व 'उ'वाले** शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- **पुनरावर्तन १**
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को [√] करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- [ ] में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- उदाहरण के अनुसार शब्द बनाओ और [ ] में लिखो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : २६ से ३३)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- **'ऊ'** का परिचय, वाचन और लेखन
- **दीर्घ 'ऊ'वाले** शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को [√] करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।

- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- ☐ में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : ३४ से ३७)

दिसम्बर

- **'ऋ'** और **'ए'** का परिचय, वाचन और लेखन
- **'ऋ'** और **एक मात्रावाले** शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को ☑ करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- ☐ में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : ३८ से ४३)

जनवरी

- **'ऐ'** और **'ओ'** का परिचय, वाचन और लेखन
- **दो मात्राओंवाले** तथा **खड़ी पाई** और **मात्रावाले** शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।

- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को √ करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- ☐ में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : ४४ से ४९)

फरवरी

- **'औ'** से **'अः'** का परिचय, वाचन और लेखन
- **खड़ी पाई** और **दो मात्रावाले** तथा **अनुस्वारवाले** शब्दों का वाचन और लेखन
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को √ करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- ☐ में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : ५० से ५६)

मार्च

- सीखे हुए अक्षरों का पूर्णरूपेण पुनरावर्तन
- **पुनरावर्तन २**
- सही शब्दों की पहचान
- शब्द बनाओ
- स्व-अध्ययन
- बारहखड़ी
- गिनती
- वाक्यों का वाचन और लेखन
- चित्र देखो, पढ़ो और लिखो।
- चित्र पहचानकर चौखटें भरो।
- चित्र देखो और वर्णों का उपयोग करके शब्द बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले शब्द को [√] करो।
- कोष्ठक से सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो।
- चित्र देखो, गोला करो और शब्द लिखो।
- तीर की दिशा में पढ़कर शब्द बनाओ।
- [ ] में लिखे गए अक्षर जैसा अक्षर पहचानकर, उसके चारों ओर वृत्त बनाओ।
- खाली जगह में छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, नीचे उसका नाम लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- उदाहरण के अनुसार शब्द बनाओ और [ ] में लिखो।

(नवनीत हिन्दी वर्ण-परिचय : पृष्ठ क्रमांक : ५७ से ७२)

अप्रैल

पुनरावर्तन

२. गणित

जून

- १ से ५० तक क्रम से बोलना।
- १ से १० का पुनरावर्तन
- चित्र के आधार पर गिनो और लिखो।
- गिनो और जोड़ो।
- गिनो, उनकी संख्या लिखो और दोनों ओर समान संख्या में चित्र बनाओ।
- बिन्दुओं को क्रम से जोड़ो और बननेवाले चित्र में रंग भरो।
- चित्र गिनो और उनकी संख्या ◯ में लिखो।
- समान संख्याओं को जोड़ो।
- १० – १० का समूह बनाओ।
- बताए गए रंग अनुसार चित्रों में रंग भरो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक ३ से ११)

जुलाई

- १ से ६० तक क्रम से बोलना।
- १ से २० का पुनरावर्तन
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याओं को जोड़ो।
- गिनो और □ में उनकी संख्या लिखो।
- गिनो और ▭ में उनकी संख्या लिखो।
- गिनो और उनकी संख्या के साथ जोड़ो।
- छूटी हुई संख्याएँ लिखो।
- संख्याओं को क्रम से लिखो।
- संख्याओं को उलटे क्रम में लिखो।
- गिनो और ◯ में उनकी संख्या लिखो।
- चित्रों को गिनकर, उनकी संख्याओं के साथ जोड़ो।
- दी गई संख्या के बराबर ◯ / △ / □ बनाओ।
- ◯ में दी गई संख्या पहचानकर, उस पर √ करो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक १२ से २०)

अगस्त

- १ से ६० तक क्रम से बोलना।
- १ से ५० का पुनरावर्तन
- छूटी हुई संख्याएँ लिखो।
- मनके गिनो और उनकी सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- मनके गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- संख्याओं को क्रम से लिखो।
- संख्याओं को उलटे क्रम में लिखो।
- ठीक बादवाली संख्या लिखो।
- ठीक पहलेवाली संख्या लिखो।
- बीचवाली संख्या लिखो।
- दी गई संख्या के बीच में आनेवाली संख्याओं पर √ करो।
- दी गई संख्या के बराबर ◯ में रंग भरो।
- अंको में लिखी गईं संख्याओं को सही ढंग से जोड़ो।
- १ से ५० : अंकों और शब्दों में पढ़ो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक २१ से ३१)

सितम्बर

- १ से ७० तक क्रम से बोलना।
- ५१ से ६० का परिचय, लेखन और गिनती
- **पुनरावर्तन १**
- ५१ से ६० बोलो और लिखो।
- संख्याएँ लिखो।
- छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।
- संख्याओं को क्रम से जोड़कर चित्र पूरा करो और उसमें रंग भरो।
- गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- मनके गिनकर, उनकी संख्या लिखो।
- बीचवाली संख्या लिखो।
- ठीक बादवाली संख्या लिखो।
- ठीक पहलेवाली संख्या लिखो।
- संख्या क्रम से बोलो और लिखो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक ३२ से ४०)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- १ से ८० तक क्रम से बोलना।
- ६१ से ७० का परिचय, लेखन और गिनती
- ६१ से ७० बोलो और लिखो।
- संख्याएँ लिखो।
- गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- मनके गिनकर, उनकी संख्या लिखो।
- बिन्दुओं को क्रम से जोड़ो और चित्र में रंग भरो।
- बीचवाली संख्या लिखो।
- छूटी हुई संख्याएँ लिखो।
- ठीक बादवाली संख्या लिखो।
- ठीक पहलेवाली संख्या लिखो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक ४१ से ४५)

दिसम्बर

- १ से ९० तक क्रम से बोलना।
- ७१ से ८० का परिचय, लेखन और गिनती
- ८१ से ९० का परिचय, लेखन और गिनती
- ७१ से ९० बोलो और लिखो।
- संख्याएँ लिखो।
- गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- मनके गिनकर, उनकी संख्या लिखो।
- बिन्दुओं को क्रम से जोड़ो और चित्र में रंग भरो।
- बीचवाली संख्या लिखो।
- छूटी हुई संख्याएँ लिखो।
- ठीक बादवाली संख्या लिखो।
- ठीक पहलेवाली संख्या लिखो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक ४६ से ५५)

जनवरी

- १ से १०० तक क्रम से बोलना।
- ९१ से १०० का परिचय, लेखन और गिनती
- ९१ से १०० बोलो और लिखो।
- संख्याएँ लिखो।
- गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।

- मनके गिनकर, उनकी संख्या लिखो।
- संख्याओं को क्रम से जोड़कर, चित्र पूरा करो और उसमें रंग भरो।
- बीचवाली संख्या लिखो।
- छूटी हुईं संख्याएँ लिखो।
- ठीक बादवाली संख्या लिखो।
- ठीक पहलेवाली संख्या लिखो।
- संख्याओं को क्रम से लिखो।
- उलटे क्रम में संख्याएँ लिखो।
- १ से १०० बोलो और लिखो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक ५६ से ६४)

फरवरी

- १ से १०० तक क्रम से बोलना।
- गिनो, पढ़ो और सीखो।
- सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- मनके गिनो और ☐ में उनकी संख्या लिखो।
- छूटी हुईं संख्याएँ लिखो।
- दी गई संख्याओं के बीच आनेवाली संख्याओं पर √ करो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक ६५ से ७३)

मार्च

- १ से १०० तक क्रम से बोलना।
- **पुनरावर्तन २**
- १ से १०० तक का पूर्णतः पुनरावर्तन
- संख्याएँ लिखो।
- ठीक बादवाली संख्या लिखो।
- ठीक पहलेवाली संख्या लिखो।
- बीचवाली संख्या लिखो।
- संख्या पहचानकर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याओं को जोड़ो।
- १ से १०० : अंकों और शब्दों में पढ़ो।

(नवनीत अंकलेखन – १ से १०० : पृष्ठ क्रमांक ७४ से ८०)

अप्रैल

पुनरावर्तन

३. सामान्य ज्ञान

जून

१. हमारे शरीर के भाग (अंग)

- शरीर के भाग (अंग), उनके कार्य और स्वच्छता के संबंध में बातचीत करना।
- दैनिक क्रियाओं के क्रम अनुसार उनकी चर्चा करना।

२. प्राणी

- पालतू, वन्य, बोझ ढोनेवाले, नाखूनवाले, घास खानेवाले, सींगवाले प्राणियों के संबंध में चर्चा करना।

३. फल

- खट्टे स्वादवाले, गूदेवाले, रस (जूस) निकल सके ऐसे, बीजवाले फलों की चर्चा करना।

४. सब्जियाँ

- जमीन के अंदर, पौधों पर, बेलों पर लगनेवाली सब्जियों की चर्चा करना।

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ४ से ७)

जुलाई

* प्रवृत्तियाँ : १

५. समाजसेवक

- समाजसेवकों के संबंध में परस्पर चर्चा करना।

६. शिष्टाचार

- घर में अपने भाई-बहन, अन्य मित्रों के साथ कैसे व्यवहार करना है, इसकी चर्चा करना।
- थॅन्क यू, वेलकम, सॉरि, प्लीज़् आदि शिष्टाचार के शब्द सिखाना।

७. सहायता

- घर के छोटे-बड़े कामों में माताजी की सहायता करना। अपनी वस्तुओं को सलीके (उचित ढंग) से रखना-आदि के संबंध में चर्चा करना।

*** प्रवृत्तियाँ : २**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ८ से १८)

अगस्त

८. हवा

- हवा के संबंध में बातचीत करना।

९. पानी

- पानी के प्राप्तिस्थान, उपयोग, पानी में तैरनेवाली-डूबनेवाली तथा घुलनेवाली वस्तुओं की जानकारी देना।

१०. सजीव-निर्जीव

- सजीव-निर्जीव के संबंध में जानकारी देना।

*** प्रवृत्तियाँ : ३**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक १९ से २३)

सितम्बर

११. दूध

- दूध देनेवाले प्राणी, दूध नापने में उपयोगी साधन, दूध से बनाए जानेवाले उत्पादों के संबंध में चर्चा करना।

१२. वनस्पतियाँ

- वनस्पति के प्रकार, भाग और उपयोग के संबंध में चर्चा करना।

१३. अनाज

- अनाज के नाम, अनाज से बननेवाले खाद्यों के संबंध में चर्चा करना।

*** प्रवृत्तियाँ : ४**

*** पुनरावर्तन १**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक २४ से ३१)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

१४. तेलहन

- तेलहनों के नाम और उनमें से मिलनेवाले तेल के बारे में जानकारी देना।

१५. यातायात के नियम

- यातायात के संकेत और नियम आदि के बारे में जानकारी देना।

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ३२ – ३३)

दिसम्बर

१६. सुरक्षा

- सुरक्षा के बारे में चर्चा करना।

*** प्रवृत्तियाँ : ५**

१७. खेल

- मैदानी खेल और घरेलू खेलों के संबंध में जानकारी देना।

१८. त्यौहार

- त्यौहारों के संबंध में चर्चा करना।

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ३४ से ३९)

जनवरी

१९. प्रार्थनास्थल

- अलग-अलग धर्मों के प्रार्थनास्थलों के संबंध में जानकारी देना।

*** प्रवृत्तियाँ : ६**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ४० से ४४)

फरवरी

२०. जोड़ीदार

- एक-दूसरे के साथ जोड़ी के रूप में आनेवाली चीजों की जानकारी देना।

२१. मापतौल तथा उसके साधन

- विभिन्न मापतौल और उनका उपयोग करनेवालों के बारे में जानकारी देना।

२२. सार्वजनिक स्थान

- रेलवे स्टेशन, डाकघर, बस-स्थानक, विद्यालय, अस्पताल, अग्निशमक स्थानक के संबंध में चर्चा करना।

२३. राष्ट्रीय प्रतीक

- हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों के संबंध में जानकारी देना।

*** प्रवृत्तियाँ : ७**

२४. बाल कहानियाँ

- चित्रों के आधार पर बाल कहानियाँ सुनाना।

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ४५ से ५४)

मार्च

२५. प्रकृति (कुदरत)

- प्रकृति द्वारा और मनुष्य द्वारा निर्मित वस्तुओं की जानकारी देना।

२६. वस्तुओं की रचना (बनावट)

- कौन-सी वस्तु किससे बनी है? इस विषय पर चर्चा करना।

२७. जातियाँ

- पुरुष (नर) जाति और स्त्री (मादा) जाति के संबंध में जानकारी देना।

*** प्रवृत्तियाँ : ८**

*** पुनरावर्तन २**

(नवनीत सामान्य ज्ञान : पृष्ठ क्रमांक ५५ से ६४)

अप्रैल

पुनरावर्तन

४. अंग्रेजी

जून

- Good morning, Good afternoon, Good evening, Good night, Thank you, Sorry, Please आदि शब्दों का मौखिक उपयोग सिखाना।
- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 20 तक क्रम से बोलो।
- A से C (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 1 से 6 तक का परिचय वाचन और लेखन
- कैपिटल लेटर को उसके स्मॉल लेटर के साथ जोड़ो।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याएँ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर ✕ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- अक्षरों को क्रम से लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में उसके नाम का पहला स्मॉल लेटर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में सही शब्द को √ करो।
- a, b, c के क्रम में शब्द लिखो।
- ☐ में दिया गया कोई एक अक्षर लिखकर 2 अलग-अलग शब्द बनाओ।
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक संख्या को उसके सही समूह के साथ जोड़ो।

- छूटी हुईं संख्या लिखो।
- गिनो, बोलो और ☐ में वह संख्या लिखो।
- हिन्दी संख्या के सामने अंग्रेजी संख्या लिखो।
  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 2 से 4, 44 से 46]

जुलाई

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 20 तक क्रम से बोलो।
- D से F (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 7 से 12 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- कैपिटल लेटर को उसके स्मॉल लेटर के साथ जोड़ो।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याएँ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- अक्षरों को क्रम से लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में उसके नाम का पहला स्मॉल लेटर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में सही शब्द को √ करो।
- a, b, c के क्रम में शब्द लिखो।
- ☐ में दिया गया कोई एक अक्षर लिखकर 2 अलग-अलग शब्द बनाओ।
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक संख्या को उसके सही समूह के साथ जोड़ो।

- छूटी हुईं संख्या लिखो।
- गिनो, बोलो और ☐ में वह संख्या लिखो।
- हिन्दी संख्या के सामने अंग्रेजी संख्या लिखो।
  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 5 से 7, 47 से 49]

अगस्त

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 30 तक क्रम से बोलो।
- G से I (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 13 से 18 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- कैपिटल लेटर को उसके स्मॉल लेटर के साथ जोड़ो।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याएँ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- अक्षरों को क्रम से लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में उसके नाम का पहला स्मॉल लेटर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में सही शब्द को √ करो।
- a, b, c के क्रम में शब्द लिखो।
- ☐ में दिया गया कोई एक अक्षर लिखकर 2 अलग-अलग शब्द बनाओ।
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक संख्या को उसके सही समूह के साथ जोड़ो।

- छूटी हुई संख्या लिखो।
- गिनो, बोलो और ☐ में वह संख्या लिखो।
- हिन्दी संख्या के सामने अंग्रेजी संख्या लिखो।

  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 8 से 10, 50 से 52]

सितम्बर

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 30 तक क्रम से बोलो।
- J से L (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 19 और 20 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- ACTIVITIES (प्रवृत्तियाँ) 1 और 3
- REVISION (पुनरावर्तन) 1

  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 11 से 21, 53 से 55, और 67 से 69]

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 40 तक क्रम से बोलो।
- M से O (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 21 और 22 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- A NEW LOOK AT NUMBERS
- कैपिटल लेटर को उसके स्मॉल लेटर के साथ जोड़ो।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।

- समान संख्याएँ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- अक्षरों को क्रम से लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में उसके नाम का पहला स्मॉल लेटर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में सही शब्द को √ करो।
- a, b, c के क्रम में शब्द लिखो।
- ☐ में दिया गया कोई एक अक्षर लिखकर 2 अलग-अलग शब्द बनाओ।
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक समूह को उसकी सही संख्या के साथ जोड़ो।
- छूटी हुई संख्या लिखो।
- गिनो, बोलो और ☐ में वह संख्या लिखो।
- हिन्दी संख्या के सामने अंग्रेजी संख्या लिखो।

[Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 22 से 24, 56 से 58]

दिसम्बर

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 40 तक क्रम से बोलो।
- P से R (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 23 और 24 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- कैपिटल लेटर को उसके स्मॉल लेटर के साथ जोड़ो।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।

- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याएँ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर ✕ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- अक्षरों को क्रम से लिखो।
- दिए गए शब्दों को कैपिटल लेटर्स में लिखो।
- दिए गए शब्दों को स्मॉल लेटर्स में लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में उसके नाम का पहला स्मॉल लेटर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, ☐ में सही शब्द को √ करो।
- a, b, c के क्रम में शब्द लिखो।
- ☐ में दिया गया कोई एक अक्षर लिखकर 2 अलग-अलग शब्द बनाओ।
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक समूह को उसकी सही संख्या के साथ जोड़ो।
- छूटी हुई संख्या लिखो।
- गिनो, बोलो और ☐ में वह संख्या लिखो।
- हिन्दी संख्या के सामने अंग्रेजी संख्या लिखो।

  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 25 से 27, 59]

जनवरी

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 50 तक क्रम से बोलो।

- S से U (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 25 से 30 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- कैपिटल लेटर को उसके स्मॉल लेटर के साथ जोड़ो।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- ☐ में दिया गया अक्षर / संख्या ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याएँ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर × बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- अक्षरों को क्रम से लिखो।
- दिए गए शब्दों को कैपिटल लेटर्स में लिखो।
- दिए गए शब्दों को स्मॉल लेटर्स में लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में उसके नाम का पहला स्मॉल लेटर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, ☐ में सही शब्द को √ करो।
- a, b, c के क्रम में शब्द लिखो।
- ☐ में दिया गया कोई एक अक्षर लिखकर 2 अलग-अलग शब्द बनाओ।
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक समूह को उसकी सही संख्या के साथ जोड़ो।
- छूटी हुईं संख्या लिखो।
- गिनो, बोलो और ☐ में वह संख्या लिखो।
- हिन्दी संख्या के सामने अंग्रेजी संख्या लिखो।

  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 28 से 30, 60 से 62]

फरवरी

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 50 तक क्रम से बोलो।
- V से X (कैपिटल और स्मॉल) तक का परिचय, वाचन और लेखन
- 31 से 40 तक का परिचय, वाचन और लेखन
- कैपिटल लेटर को उसके स्मॉल लेटर के साथ जोड़ो।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, उसके नाम के पहले अक्षर के साथ जोड़ो।
- ▭ में दिया गया अक्षर / संख्या ढूँढ़कर उसके चारों ओर ◯ बनाओ।
- समान संख्याएँ जोड़ो।
- प्रत्येक पंक्ति में अलग अक्षर / संख्या पर ✕ बनाओ।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के चारों ओर ◯ बनाओ।
- अक्षरों को क्रम से लिखो।
- दिए गए शब्दों को कैपिटल लेटर्स में लिखो।
- दिए गए शब्दों को स्मॉल लेटर्स में लिखो।
- समान शब्दों को जोड़ो।
- दिए गए अक्षर से शुरू होनेवाले चित्रों के पासवाले ◯ में रंग भरो।
- चित्र पहचानकर, ☐ में उसके नाम का पहला स्मॉल लेटर लिखो।
- छूटे हुए अक्षर लिखो।
- सही संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- चित्र पहचानकर, ☐ में सही शब्द को √ करो।
- a, b, c के क्रम में शब्द लिखो।
- ☐ में दिया गया कोई एक अक्षर लिखकर 2 अलग-अलग शब्द बनाओ।
- गिनो और उनकी संख्या के चारों ओर ◯ बनाओ।
- प्रत्येक समूह को उसकी सही संख्या के साथ जोड़ो।

- छूटी हुई संख्या लिखो।
- गिनो, बोलो और ☐ में वह संख्या लिखो।
- हिन्दी संख्या के सामने अंग्रेजी संख्या लिखो।

  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) : पृष्ठ क्रमांक 31 से 33, 63]

मार्च

- A से Z तक क्रम से बोलो।
- 1 से 50 तक क्रम से बोलो।
- Y और Z (कैपिटल और स्मॉल) अक्षरों का परिचय, वाचन और लेखन
- 41 से 50 तक की संख्याओं का परिचय, वाचन और लेखन
- A से Z तक (कैपिटल और स्मॉल) अक्षरों और 1 से 50 तक की संख्याओं का पूर्णतः पुनरावर्तन
- ACTIVITIES (प्रवृत्तियाँ) 2 और 4
- REVISION (पुनरावर्तन) 2

  [Navneet Alphabet (Capital – Small Letters) & Numbers (1 to 50) – पृष्ठ क्रमांक 34 से 43, 64 से 66 और 70 से 72]

अप्रैल

पुनरावर्तन

५. चित्रकला

जून

- मुक्त चित्रकारी करने देना।
- सूरज 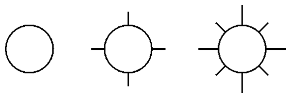 • गुब्बारा 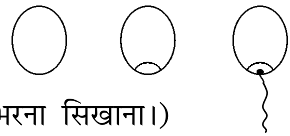

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

- आकृतियों की रचना और पहचान

रंगकार्य : • दी गई आकृतियों में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक २ से ५)

जुलाई

- नाव 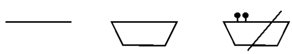 • मछली

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दी गई आकृति / चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ६ से १०)

अगस्त

- घास • फूल

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ११ से १५)

सितम्बर

- पर्वत 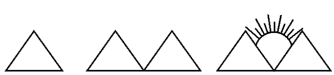

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक १६ से १९)

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- मंदिर 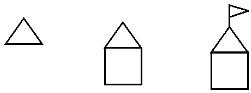
- घर 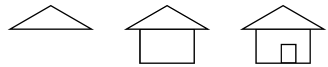
- चिड़िया 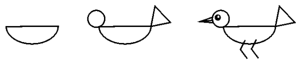

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक २० से २३)

दिसम्बर

- खरगोश 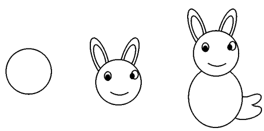

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक २४ से २७)

जनवरी

- राष्ट्रध्वज 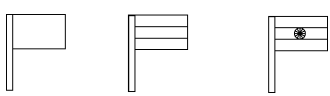

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक २८ से ३१)

फरवरी

- जोकर 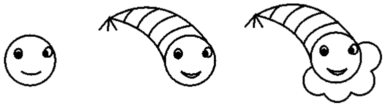

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ३२ से ३७)

मार्च

- तितली 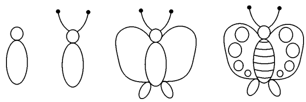

(**टिप्पणी :** इस प्रकार चित्रकारी सिखाकर रंग भरना सिखाना।)

रंगकार्य : • दिए गए चित्र में रंग भरो।

(नवनीत यूनीक चित्रकला : पृष्ठ क्रमांक ३८ से ४०)

अप्रैल

पुनरावर्तन

६. सृजनात्मक प्रवृत्तियाँ

जून

- अँगूठे की छाप
- उँगलियाँ रंग में डुबोकर विभिन्न चित्रकारी करना।

जुलाई

- रूमाल को तह करना।
- हथेली की छाप

अगस्त

- राखी चिपकाना।
- राष्ट्रध्वज चिपकाना।

सितम्बर

- आलू, भिंडी, करेला, प्याज और तोरई की छाप
- स्प्रेकार्य (ब्रशकार्य)
- डोरीकार्य
- दीपावली कार्ड बनाना।

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- स्प्रेकार्य (ब्रशकार्य)
- नाव बनाना।

दिसम्बर

- कागज़ के नीचे पैसा, पीपल, चंपा या कनेर का पर्ण रखकर क्रेअन आड़ा घिसना।
- क्रिसमस ट्री चिपकाना।

जनवरी

- पंखा और फिरकी बनाना।
- पतंग चिपकाना।

फरवरी

- बिंदी, रेत और अनाज के कण का चिमटकार्य

मार्च

- कैंचीकार्य : विभिन्न आकार काटना।
- पुराने मैगजीन में से चित्र काटना।

अप्रैल

पुनरावर्तन

७. शिशुगीत

जून

१. सरस्वती-वंदन २. हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं
३. मछली जल की रानी

जुलाई

४. आलू-कचालू ५. अक्कड़-बक्कड़ ६. गोल-गोल पानी
७. कुहू-कुहू ८. चूहा ९. काठ का घोड़ा १०. कठपुतली नाची

अगस्त

११. मेरी गुड़िया १२. मेरी नानी १३. गिनती-गीत
१४. बंदर मामा १५. गर्मी के दिन १६. चिकी लिकी
१७. तितली रानी! कहाँ चली?

सितम्बर

१८. धम्मक-धम्मक १९. नर्तकियाँ २०. गुड़िया रानी
२१. सबकी चाल २२. फूल २३. तितली रानी
२४. ठीक समय पर २५. गुड़िया का ब्याह

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

२६. वर्षा रानी २७. अट्टू-बट्टू २८. बिल्ली भागी
२९. एक से दस ३०. चिड़िया

दिसम्बर

३१. तोता ३२. बेबी-बेबी ३३. एक था राजा
३४. कुकड़ूँ-कूँ ३५. भालू आया ३६. बिल्ली और चूहा

जनवरी

३७. फोन ३८. नई पतंग ३९. तितली से भी प्यारी
४०. मेरी बिल्ली खाए खीर ४१. जब बोलो, तब हँसकर बोलो

फरवरी

४२. दीपावली मनाऊँगी ४३. गाँधीजी के बंदर ४४. जापानी गुड़िया
४५. चार कबूतर ४६. वे अच्छे बच्चे कहलाते

मार्च

४७. जुगनू भाई ४८. सावधान ४९. मेरा देश ५०. तिरंगा

अप्रैल

पुनरावर्तन

८. खेल

जून

- कॅप्टन, कॅप्टन साइन बदल

जुलाई

- पासिंग बॉल

अगस्त

- मटकातोड़ • मूर्ति (स्टैचू) • सादी दौड़

सितम्बर

- रूमाल पकड़ • सादा व्यायाम • संगीत कुर्सी

अक्तूबर

पुनरावर्तन

नवम्बर

- संगीत कुर्सी • आलू दौड़

दिसम्बर

- नीबू चम्मच • अवरोधन दौड़

जनवरी

- सूई में धागा पिरोना • आटा फूँक

फरवरी

- संगीत कुर्सी • मटकातोड़

मार्च

- सादा व्यायाम • सादा योग

अप्रैल

पुनरावर्तन

☞ समय-पत्रक ☜

समय	प्रवृत्ति	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
३० मिनट	प्रार्थना हाजिरी शिशुगीत	—	—	—	—	—	—
२० मिनट	मौखिक	हिन्दी	गणित	हिन्दी	गणित	हिन्दी	अंग्रेजी
३० मिनट	लिखित	हिन्दी	गणित	हिन्दी	गणित	हिन्दी	अंग्रेजी
२० मिनट	नाश्ता	—	—	—	—	—	—
२० मिनट	सामान्य ज्ञान	—	—	—	—	—	—
४० मिनट	मुख्य प्रवृत्ति	वर्ग के बाहर का खेल	अंग्रेजी	सृजनात्मक प्रवृत्ति	वर्ग के अंदर का खेल	चित्रकला	व्यायाम योग :
२० मिनट	वार्ता	—	—	—	—	—	—

☞ त्योहारों के बारे में जानकारी ☜

धार्मिक त्योहार

रथयात्रा	दीपावली
गौरी-पार्वती का व्रत	मकरसंक्रांति
रक्षाबंधन	शिवरात्रि
जन्माष्टमी	होली-धुलेंडी
संवत्सरी	ईद
गणेश चतुर्थी	मोहर्रम
नवरात्रि / दशहरा	पतेती
शरदपूर्णिमा	क्रिसमस

राष्ट्रीय त्योहार

गणतंत्र दिवस	२६ जनवरी
स्वतंत्रता दिवस	१५ अगस्त
शिक्षक दिन	५ सितम्बर
गांधी जयंती	२ अक्तूबर
सरदार पटेल जयंती	३१ अक्तूबर
बालदिन	१४ नवम्बर

☞ अन्य प्रवृत्तियाँ / स्पर्धा का आयोजन ☜

जुलाई – संगीत कुर्सी
अगस्त – चित्र
सितम्बर – गीत
अक्तूबर – वेश-भूषा
नवम्बर – स्मृति शक्ति
दिसम्बर – नीबू चम्मच
जनवरी – वार्ता
फरवरी – शब्द-खेल
मार्च – अनुलेखन

Published by Navneet Education Limited, Dantali, Gujarat.
Printed by Navneet Education Limited, Dantali, Gujarat. **CTP**

NOTES

NOTES